सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 1

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखे– 1
महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार का ध्यान कपास खेतीहरों की शिकायतों की ओर दिलाने के लिये बिहार में चम्पारण सत्याग्रह प्रारम्भ किया।

उत्तर

महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार का ध्यान **नील** खेतीहरों की शिकायतों की ओर दिलाने के लिये बिहार में चम्पारण सत्याग्रह प्रारम्भ किया।

2. नीचे दिए गए चित्र में अमेरिका में महामंदी के दौरान लोगों की लम्बी कतारें दिखाई गई है, ये कतारें प्रतीक थी– 1

(a) असंतोष और उपद्रव की
(b) सम्पन्नता और रोजगार की
(c) गरीबी और बेरोजगारी की
(d) जनसंख्या वृद्धि और उपभोक्तावाद की

उत्तर (c) गरीबी और बेरोजगारी की

3. इंग्लैंड में सबसे पहले किस दशक में कारखानों की स्थापना हुई? 1
(a) 1730 में (b) 1740 में
(c) 1830 में (d) 1840 में

उत्तर (a) 1730 में

4. 1878 में लॉर्ड लेटिन द्वारा वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू करने के पीछे क्या उद्देश्य था? 1
(a) वर्नाक्युलर एक्ट की प्रसिद्धि के लिए
(b) वर्नाक्युलर एक्ट के निरीक्षण के लिए
(c) भाषाई प्रेस में छपी रपट को प्रतिबंधित (सेंसर) करने के लिए
(d) भारतीय भाषाओं के लेखकों को बढ़ावा देने के लिए

उत्तर (c) भाषाई प्रेस में छपी रपट को प्रतिबंधित (सेंसर) करने के लिए

5. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़े और सही विकल्प चुनें– 1
कथन (A) : जलोढ़ मिट्टी धान, गेहूँ, अनाज और दलहन फसलों के विकास के लिए उपयुक्त होती है।
कारण (R) : जलोढ़ मिट्टी को इसकी नमी धारण करने की क्षमता के लिए जाना जाता है।
(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, लेकिन R गलत है।
(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (c) A सही है, लेकिन R गलत है।

6. सूची–I का सूची–II से मिलान करें– 1

	सूची–**I**		सूची–**II**
1.	दलहन फसल	क	सरकार की योजना
2.	चना	ख	दलहन
3.	केसीसी	ग	धान की फसलें
4.	गुदा, अमन और बोरो	घ	रबी फसल

उत्तर 1–घ, 2–ख, 3–क, 4–ग

7. कुछ दंतमंजन जो चमक प्रदान करते हैं, उनका कारण ..... है। 1

उत्तर अभ्रक

अथवा

फ्लोराइड जो कैविटी को कम करने के लिए उपयोग किया जाता है, एक खनिज ..... से प्राप्त होता है।

उत्तर फ्लोराइट

8. निम्नलिखित तालिका को स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए– 1

प्रकार	**संचालन**	**उदाहरण**
सार्वजनिक उद्योग	सरकार द्वारा	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (BHEL)
निजी उद्योग	निजी क्षेत्र द्वारा	(B)–?
संयुक्त उद्योग	(A)–?	ऑयल इण्डिया लिमिटेड

उत्तर

(A) – सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा।
(B) – बजाज ऑटो लिमिटेड।

9. निम्नलिखित में से हमारे देश का प्राचीनतम कृत्रिम पत्तन कौन–सा है? 1

(a) मुंबई (b) विशाखापट्टनम
(c) चेन्नई (d) कोलकाता

उत्तर (c) चेन्नई

10. 1970 और 1993 के बीच बेल्जियम का संविधान कितनी बार संशोधित किया गया ? 1

उत्तर चार बार।

अथवा

श्रीलंका की आबादी में सबसे बड़ा हिस्सा किस सामाजिक समूह का है?

उत्तर सिंहली।

11. नीचे दिया गया कार्टून निम्न में से किस विकल्प को दर्शाता है– 1

(a) मध्याह्न भोजन कार्यक्रम
(b) केन्द्र–राज्य सम्बन्ध
(c) राज्य सरकार और जनता के मध्य सम्बन्ध
(d) आरक्षण की माँग

उत्तर (b) केन्द्र–राज्य सम्बन्ध

12. एक सांप्रदायिक सोच अक्सर अपने धार्मिक समुदाय का ..... स्थापित करने की कोशिश करती है। 1

उत्तर राजनीतिक प्रभुत्व

अथवा

जाति व्यवस्था ..... समूहों के बहिष्कार और उनके खिलाफ भेदभाव के आधार पर थी।

उत्तर अंत्यज

13. देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए भारतीय संविधान (अनुच्छेद 324) द्वारा एक आयोग की व्यवस्था की गई है। यह आयोग निर्वाचन क्षेत्रों को निश्चित करता है और मतदाताओं की सूचियाँ तैयार करता है। यह देश में होने वाले विभिन्न चुनावों का प्रबंध करता है। यह उम्मीदवारों के चुनाव–चिह्न निश्चित करता है। आयोग यह भी सुनिश्चित करता है कि सत्तारूढ़ दल अन्य राजनीतिक दलों की अपेक्षा अनावश्यक लाभ न उठाए। 1

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइए कि यहाँ किस आयोग के लिए कहा गया हैं?

(a) योजना आयोग (b) निर्वाचन आयोग
(c) पिछड़ा वर्ग आयोग (d) महिला आयोग

उत्तर (b) निर्वाचन आयोग

14. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी–मार्क्सवादी की स्थापना कब हुई थी? इसकी नीति क्या हैं? 1

उत्तर

1964 ई. में, मार्क्सवाद– लेनिनवाद में आस्था

अथवा।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना कब हुई थी तथा इसकी नीति क्या है?

उत्तर

1925 ई. में, मार्क्सवाद–लेनिनवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र में आस्था।

15. लोकतंत्र को प्रभावशाली उपकरण बनाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनौती नहीं है? 1

(a) पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र की कमी

(b) अधिकांश पार्टियों में वंशानुगत उत्तराधिकार

(c) धन और बाहुबल का बढ़ता प्रयोग

(d) प्रायः राजनीतिक पार्टियाँ लोगों के समक्ष सार्थक विकल्प प्रस्तुत करती हैं।

उत्तर (d) प्रायः राजनीतिक पार्टियाँ लोगों के समक्ष सार्थक विकल्प प्रस्तुत करती हैं।

16. नागरिकों की गरिमा तथा स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए कौन–सी शासन–प्रणाली अन्य शासन प्रणालियों में सबसे आगे हैं? 1

उत्तर लोकतंत्र।

अथवा

किसी ऐसे देश का नाम बताओ जिसमें बहुत अधिक आर्थिक असमानता पाई जाती है।

उत्तर बांग्लादेश।

17. "भारत के ग्रामीण क्षेत्र में लड़कियाँ कभी–कभी माध्यमिक स्तर की शिक्षा लेने में सक्षम नहीं होती।" इस कथन का कोई एक कारण दीजिए। 1

उत्तर

भारत पुरुष प्रधान देश/समाज हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कों की अपेक्षा लड़कियों के साथ भेदभाव किया जाता है यहाँ तक कि उन्हें शिक्षा के लिए भी नहीं भेजा जाता।

18. निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए– 1

1. कपड़े को कार्यशालाओं में ले जाना।
2. दुकानों और शोरूम में बिक्री।
3. सूत कताई।
4. कपड़े की बुनाई।

(a) 1–4–3–2 (b) 3–4–1–2

(c) 4–1–2–3 (d) 3–4–2–1

उत्तर (b) 3–4–1–2

19. बिना मुद्रा का प्रयोग किए वस्तुओं का क्रय–विक्रय करना ..... कहलाता है। 1

उत्तर वस्तु विनिमय

20. उत्पादन लागत को कम करने और अधिक लाभ अर्जित करने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ क्या करती हैं? 1

उत्तर

वे बाजार के समीप अपनी उत्पादन इकाइयों की स्थापना करती हैं।

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. भारत में प्रथम विश्व युद्ध ने किस प्रकार एक नई आर्थिक परिस्थिति पैदा की? तीन उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1. **करों में वृद्धि–** विश्व युद्ध के कारण अचानक रक्षा व्यय में वृद्धि हो गई। इस व्यय को पूरा करने के लिए सरकार ने करों में वृद्धि कर दी। इसके अतिरिक्त सीमा शुल्क को भी बढ़ा दिया गया। आयकर के रूप में नया कर भी लगा दिया। इससे जनता में रोष फैल गया, जिसने राष्ट्रवाद को जन्म दिया।
2. **कीमतों में वृद्धि–** प्रथम विश्व युद्ध काल में खाद्य पदार्थों का भारी अभाव हो गया। फलस्वरूप कीमतें लगभग दुगुनी हो गईं। आम आदमी का जीवन कष्टमय हो गया। अतः लोग विदेशी शासन से मुक्ति के संबंध में सोचने लगे। यह बात राष्ट्रीय आंदोलन का आधार बनी।
3. **सिपाहियों की जबरन भर्ती–** विश्व युद्ध में अत्यधिक सैनिकों के मरने के कारण सरकार को अधिक–से–अधिक सैनिकों की आवश्यकता थी। अतः गाँवों में नौजवानों को जबरदस्ती सेना में भर्ती किया गया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के प्रति विशेष रोष था।

अथवा

भारत में लोगों द्वारा **रॉलट एक्ट** का किस प्रकार विरोध किया गया? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

अप्रैल, 1919 को हड़ताल करके विभिन्न शहरों में रैली तथा जुलूसों का आयोजन किया गया। विभिन्न स्थानों पर हड़ताल की गई। लोगों में आक्रोश देखकर ब्रिटिश सरकार ने दमन की नीति अपनाई। अमृतसर में स्थानीय नेताओं को बंदी बनाया गया। गाँधी जी को दिल्ली में प्रवेश करने से रोक दिया गया। अमृतसर में घटनाक्रम बड़ी तीव्र गति से चला। 10 अप्रैल को शांतिपूर्वक जुलूस पर पुलिस द्वारा गोली चलाने के बाद हिंसात्मक घटनाएँ हुईं। **मार्शल ला** लगा दिया गया तथा जनरल डायर को नगर की कमान सौंपी गई। जनरल डायर ने लोगों में भय व्याप्त करने के लिए 13 अप्रैल, बैसाखी पर्व के अवसर पर जलियाँवाला बाग में निहत्थे लोगों की भीड़ पर

अंधाधुंध गोलियाँ चलाने का आदेश दे दिया। इस प्रकार रॉलट एक्ट सत्याग्रह जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड तक जा पहुँचा जो असहयोग आंदोलन का कारण बना।

22. वैश्वीकरण और उदारीकरण को भारत में प्रोत्साहन देने के लिए क्या–क्या कदम उठाए गए है? किसी एक देश के लिए वित्तीय संकटों के एक महत्वपूर्ण परिणाम का उल्लेख कीजिए। 3

उत्तर :

1. वैश्वीकरण और उदारीकरण को भारत में प्रोत्साहन देने के लिये निम्न लिखित कदम उठाए गए हैं–

(a) श्रम कानूनों में ढील देना।

(b) विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZs) का बनाया जाना।

(c) सभी तरह के व्यापार अवरोधकों (Trade Barriers) को हटाया जाना।

(d) विश्व व्यापार संगठन के सचिवीय सम्मेलन में लिए गए निर्णयो को निःशर्त मान लेना।

2. विश्व बैंक से भारत ऋण स्थिति 2005–06 में 63,215 करोड़ रूपए की है। यही कारण है कि विश्व व्यापार संगठन के सचिवीय सम्मेलन में भारत प्रत्येक निर्णय को मानने के लिए मजबूर है।

अथवा

भूमंडलीकरण की प्रक्रिया के चिह्न आधुनिक युग से पहले के समय में भी देखे जा सकते हैं। व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

1. प्राचीन समय से ही लोग लंबी दूरी की यात्रा करते थे। इन लोगों में यात्री, व्यापारी, संत–महात्मा तथा तीर्थयात्री आदि शामिल थे।
2. ये लोग ज्ञान तथा अवसर की प्राप्ति के लिये यात्राएँ किया करते थे। ये अपने साथ सामान, पैसा, मूल्य, मान्यताएँ, हुनर, विचार, आविष्कार और यहाँ तक कि कीटाणु तथा बीमारियाँ आदि भी लेकर चलते थे।
3. उदाहरण के लिये आज से लगभग 5000 वर्ष पहले सिंधु घाटी सभ्यता उस इलाके से भी जुड़ी हुई थी जिसे हम आज पश्चिमी एशिया के नाम से जानते हैं। अतः हम देखते है कि आधुनिक युग से सैकड़ों वर्ष पूर्व से ही दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लोग एक–दूसरे से जुड़े हुए थे।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1+1+1=3$

स्रोत क

"कोयला मजदूरों और उनकी बीवियों के गिरोह की परेशानी के कारण..... क्योंकि उनकी बीवियों का काम स्पीनिंग इंजन के कारण छिन गया था..... शुरू में वे बड़े अड़ियल ढंग से आगे बढ़े। ऊन उत्पादन में अभी अपनाई गई मशीनों को वे टुकड़े–टुकड़े कर देना चाहते थे क्योंकि उनकी वजह से शारीरिक श्रम की माँग घटने वाली थी। औरतों ने हंगामा मचाया हुआ था। आदमियों को समझाना आसान था, इसलिए कुछ खींचतान के बाद उन्हे शांतिपूर्वक घर जाने के लिए तैयार कर लिया गया।"

स्रोत ख

"भारत के अन्य भागों में महीन कपड़ा बनाने वाले बुनकरों की तरह कोष्टियों का भी बुरा समय चल रहा है। वे मैनचेस्टर से इतनी भारी तादाद में आने वाली आकर्षक चीजों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। हाल के सालों में वे बड़ी संख्या में यहाँ से जाने लगे हैं। वे मुख्य रूप से बिहार का रूख कर रहे हैं जहाँ दिहाड़ी मजदूर के तौर पर उन्हें रोजी–रोटी मिल जाती है....."

स्रोत ग

"उस जमाने में दस घंटे की शिफ्ट होती थी। शाम पाँच बजे से सुबह तीन बजे तक काम के सबसे भयानक घंटे। मेरे पिताजी ने 35 साल नौकरी की। उन्हें दमा जैसी बीमारी हो गई और वे काम करने से लाचार हो गए। इसके बाद मेरे पिताजी गाँव चले गए।"

स्रोत क

23.1 यह विषय मजिस्ट्रेट को क्यों रिपोर्ट किया गया? 1

उत्तर :

निर्माता की संपत्ति की सुरक्षा के लिए।

स्रोत ख

23.2 कोष्टि कौन थे? 1

उत्तर :

कोष्टि बुनकर थे।

स्रोत ग

23.3 यह किसका कथन है? 1

उत्तर :

यह कथन भाई भोंसले, बंबई के ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता का है।

24. आदिकालीन निर्वाह कृषि तथा गहन निर्वाह कृषि में कोई तीन अंतर बतायें। 3

उत्तर :

	आदिकालीन निर्वाह कृषि	**गहन निर्वाह कृषि**
1.	यह भूमि के छोटे टुकड़ों पर की जाती है।	यह बड़े फार्मों पर की जाती है।
2.	प्राचीन औजारों जैसे, कुदाली, हँसिया, खुरपा आदि के साथ की जाती है।	आधुनिक मशीनों, उच्च उत्पादकता वाले बीज, रासायनिक खाद, कीटनाशक आदि का उपयोग किया जाता है।
3.	इस प्रकार की कृषि में किसान वर्षा और मृदा की उर्वरा शक्ति पर निर्भर करते हैं।	गहन निर्वाह कृषि में सिंचाई के लिए नलकूप और नहरें उपयोग में आती हैं।

अथवा

शुष्क भूमि कृषि और आर्द्र भूमि कृषि में कोई तीन अंतर बतायें।

उत्तर :

	शुष्क भूमि कृषि	आर्द्र भूमि कृषि
1.	शुष्क भूमि कृषि वह कृषि है जिसमें विशेष प्रकार की फसलें जिनमें आर्द्रता बनी रहती है, उगाई जाती हैं।	आर्द्र भूमि कृषि वह कृषि है जो मुख्यतः वर्षा पर निर्भर करती है।
2.	यह देश के शुष्क भागों में की जाती है।	इस प्रकार की खेती उत्तरी–पूर्वी भारत में की जाती है।
3.	यह कृषि सिंचाई पर निर्भर करती है।	इसके लिए सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती।

25. ऊर्जा की आवश्यकता क्यों होती है? हम ऊर्जा संसाधनों का किस प्रकार संरक्षण कर सकते हैं? स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

ऊर्जा संसाधन का संरक्षण हमारे लिए आवश्यक है, क्योंकि आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा एक आधारभूत आवश्यकता है। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्रक यथा–कृषि, उद्योग, परिवहन, वाणिज्य व घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऊर्जा के निवेश की आवश्यकता हैं। पूरे देश में ऊर्जा के सभी प्रकारों का उपभोग धीरे–धीरे बढ़ रहा है।

ऊर्जा संरक्षण के तरीके–

1. एक जागरूक नागरिक के रूप में हम यातायात के लिए निजी वाहन की अपेक्षा सार्वजनिक वाहन का उपयोग करें।
2. गैर–परंपरागत ऊर्जा संसाधनों का प्रयोग।
3. जब प्रयोग में न हो तो बिजली बंद कर दें।

26. राजनीति में महिलाओं की भागीदारी में सुधार लाने के लिए किन्हीं तीन कदमों का सुझाव दें। 3

उत्तर :

1. निर्वाचित संस्थाओं में महिलाओं के लिए कानूनी रूप से एक उचित हिस्सा तय कर देना चाहिए।
2. महिलाओं के लिए लोक सभा और राज्य विधानसभाओं में कुछ सीटें आरक्षित कर देनी चाहिए।
3. राजनीतिक पार्टियाँ भी महिलाओं को उनकी प्रतिनिधित्वता का उचित हिस्सा दें।

27. भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं? स्पष्ट कीजिए 3

उत्तर :

भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक की अहम भूमिका हैं। आधुनिक समय में प्रतिदिन आर्थिक कार्यों और राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की दृष्टि से बैंकों की जरूरत होती हैं।

भूमिका–

1. ये लोगों में बचत की भावना पैदा करते हैं।
2. ये बचत को सुरक्षित रखते हैं।
3. ये बचत पर उचित ब्याज देते हैं।
4. जरूरत पड़ने पर बैंक हमें अपनी जमाराशि निकालने की सुविधा देते हैं।
5. जरूरत पड़ने पर ये व्यापारियों को ऋण देते हैं।

अथवा

उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि ऋण किस प्रकार विकास के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण और सकारात्मक भूमिका निभाता हैं?

उत्तर :

किसी भी देश के विकास के लिए धन की आवश्यकता होती है। एक व्यक्ति उद्योग लगाने का इच्छुक हैं, उसे ज्ञान भी है परन्तु धन नहीं है। अतः वह असमर्थ है। ऐसे समय में वह औपचारिक या अनौपचारिक विधि/स्रोत से ऋण लेकर उद्योग स्थापित कर सकता है। वर्तमान युग में कोई भी व्यक्ति या परिवार ऐसा नहीं है जो समय पड़ने पर धन की उपयुक्त मात्रा को जुटा पाये। अतः उसे अपना रोजगार चलाने के लिए किसी भी स्रोत से धन ऋण के रूप में लेना ही पड़ता है। उधार या साख या ऋण देने वाले स्रोत अधिक हैं। अतः वे अपना धन कुछ ब्याज लेकर ऋण के रूप में देना चाहते हैं। आजकल धनी परिवार विशाल स्तर पर नया रोजगार स्थापित करने या पुराने रोजगार का विस्तार करने के लिए औपचारिक स्रोत से लिखित शर्तों पर ऋण लेते हैं। रोजगार प्रक्रिया से वे धन अर्जित करके ऋण चुका देते हैं, अपना जीवन स्तर ऊँचा करते हैं तथा देश की बेरोजगार श्रम शक्ति को रोजगार प्रदान करके राष्ट्र के स्तर को विकसित करने में योगदान करते हैं। इस प्रकार से ऋण देश के विकास के लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण तथा सकारात्मक भूमिका निभाता है।

28. वैश्वीकरण के कोई तीन नकारात्मक प्रभाव बताइये। 3

उत्तर :

1. छोटे उद्योगों में लगे श्रमिकों के सामने बेरोजगारी का खतरा मंडराने लगता है। इन उद्योगों के निरंतर बंद होने से अनेक श्रमिक बेरोजगार हैं।
2. बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं इनसे संबंधित उद्योगों के श्रमिकों को न्यायसंगत हिस्सा नहीं दिया गया है जिससे इनके रोजगार पर सदा छँटनी की तलवार लटकती रहती है।
3. छोटे उत्पादक व कुटीर उद्योगों को वैश्वीकरण से बहुत हानि हुई है। बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के चलते ये छोटे उद्योग समाप्त होते जा रहे हैं।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. राष्ट्रवाद साम्राज्यवाद के साथ मिलकर यूरोप को विनाश की

ओर ले गया। इस कथन की पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर :

इस कथन की पुष्टि बाल्कन राज्यों के उदाहरण द्वारा की जा सकती है–

1. बाल्कन राज्यों में आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बेनिया, यूनान, मेसिडोनिया, क्रोएशिया, बोस्निया–हर्जेगोविना, स्लोवेनिया, सर्बिया तथा मॉन्टिनिग्रो शामिल थे। उनमें से अधिकतर देश ऑटोमन साम्राज्य के अंग थे। रूमानी राष्ट्रवाद के प्रभाव में ऑटोमन साम्राज्य में अलगाव का एक दौर शुरू हुआ।
2. बाल्कन प्रदेश के लोगों ने अपनी राष्ट्रीयता के आधार पर स्वतंत्रता एवं राजनीतिक अधिकारों की माँग शुरू की। जैसे ही उन्हें स्वतंत्रता मिलती थी वे किसी न किसी विदेशी शक्ति द्वारा अधीन बना लिये जाते थे।
3. अब वे (अपने विदेशी संरक्षक के प्रभाव में) अपने क्षेत्र के विस्तार के लिए एक–दूसरे के साथ संघर्ष करने लगे। यह दरअसल साम्राज्यवाद की शुरुआत थी।
4. बड़ी शक्तियों जैसे रूस, जर्मनी, इंग्लैंड तथा ऑस्ट्रो–हंगरी के मध्य बाल्कन प्रदेश पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रतिस्पर्धा होने लगी। इसी प्रतिस्पर्धा ने अंततः प्रथम विश्वयुद्ध को जन्म दिया तथा यूरोप को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया।

अथवा

जर्मनी की प्रारंभिक राजनीतिक स्थिति और उसके एकीकरण से संबंधित प्रमुख कदमों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

1. **एकीकरण से पूर्व जर्मनी की राजनीतिक स्थिति–** अठारहवीं शताब्दी में जर्मनी अनेक राज्यों में बँटा हुआ था, जिनमें से कुछ शहरों से बड़े आकार के न थे। नेपोलियन युद्ध के बाद भी जर्मनी में अड़तालीस (48) स्वतंत्र राज्य बचे रह गए थे। इनमें प्रशा, बर्तेम्बर्ग, बावेरिया, बेडन और सैक्सोनी काफी बड़े राज्य थे। आकार और सैनिक शक्ति की दृष्टि से प्रशा सबसे शक्तिशाली था।

   1845 ई. में जर्मनी के प्रत्येक राज्य में विद्रोह हुए और शासकों को लोकतंत्रीय संविधान बनाने पर मजबूर किया गया। जर्मनी को एक करने की दृष्टि से और संयुक्त जर्मनी के लिए संविधान बनाने के उद्देश्य से फ्रैंकफर्ट में एक सभा बैठी। फ्रेंकफर्ट की सभा ने जर्मनी के एकीकरण का प्रस्ताव रखा। इसके अंतर्गत एक संवैधानिक राजतंत्र का निर्माण होना था जो प्रशा के राजा के अधीन काम करता और यह राजा जर्मनी का सम्राट कहलाता लेकिन राजा ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तथा इस प्रयास को सैन्य शक्ति से कुचल दिया।

2. **जर्मनी के एकीकरण के प्रमुख कदम–**

(a) सैन्यशक्ति का प्रयोग करने से एकीकरण की संभावना सुस्पष्ट हो गई थी।

(b) जर्मनी के प्रधानमंत्री बिस्मार्क ने **रक्त और लोहे की नीति** या युद्ध का नेतृत्व किया। उसने आस्ट्रिया को जर्मन संघ से निकाल बाहर किया। फिर आस्ट्रिया का पक्ष लेकर उसने डेनमार्क पर हमला बोल दिया। यह युद्ध श्लेषविग और होल्स्टीन के अधिकार को लेकर हुआ। इस युद्ध में डेनमार्क पराजित हुआ। इसके बाद उसने इटली का पक्ष लेकर आस्ट्रिया को पराजित किया। पुराने संघ के स्थान पर उसने 1866 में जर्मनी के 22 राज्यों को मिलाकर उत्तरी जर्मन संघ बनाया। संविधान में प्रशा के शासक का पद वंशानुगत रखा गया।

(c) अंतिम युद्ध फ्रांस के साथ हुआ। फ्रांस की सेना पराजित हुई और नेपोलियन को बंदी बना लिया गया। जर्मनी के शेष राज्यों को भी संयुक्त जर्मनी में शामिल कर लिया गया। पराजय के बाद फ्रांस एक गणतंत्र हो गया और जर्मनी का एकीकरण भी पूरा हो गया।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों का जवाब दें– $1 + 2 + 2 = 5$

सन् 1948 में श्रीलंका स्वतंत्र राष्ट्र बना। सिंहली समुदाय के नेताओं ने अपनी बहुसंख्या के बल पर शासन पर प्रभुत्व जमाना चाहा। इस वजह से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार ने सिंहली समुदाय की प्रभुता कायम करने के लिए अपनी बहुसंख्यक–परस्ती के तहत कई कदम उठाए।

1956 में एक कानून बनाया गया जिसके तहत तमिल को दरकिनार करके सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया गया। विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता देने की नीति भी चली। नए संविधान में यह प्रावधान भी किया गया कि सरकार बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देगी।

एक–एक करके आए इन सरकारी फ़ैसलों ने श्रीलंकाई तमिलों की नाराज़गी और शासन को लेकर उनमें बेगानापन बढ़ाया। उन्हें लगा कि बौद्ध धर्मावलंबी सिंहलियों के नेतृत्व वाली सारी राजनीतिक पार्टियाँ उनकी भाषा और संस्कृति को लेकर असंवेदनशील हैं। उन्हें लगा कि संविधान और सरकार की नीतियाँ उन्हें समान राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर रही हैं। नौकरियों और फ़ायदे के अन्य कामों में उनके साथ भेदभाव हो रहा है और उनके हितों की अनदेखी की जा रही है। परिणाम यह हुआ कि तमिल और सिंहली समुदायों के संबंध बिगड़ते चले गए।

30.1 बहुसंख्यकवाद से क्या तात्पर्य है?

30.2 सिंहली समुदाय की प्रभुता कायम करने के लिए श्रीलंका में बहुसंख्यक परस्ती के तहत किस तरह के कदम उठाए गए?

30.3 बहुसंख्यक समुदाय के शासन में क्या गलत है? अगर श्रीलंका में सिंहलियों का राज नहीं होगा तो

किसका राज होगा?

उत्तर :

30.1 वह व्यवस्था जिसमें देश में रहने वाला बहुसंख्यक समुदाय अपने मनचाहे ढंग से शासन करे और इसके लिए वह अल्पसंख्यक समुदाय की जरूरत या इच्छाओं की अवहेलना करे, बहुसंख्यकवाद कहलाता है।

30.2

(a) 1956 में एक कानून बनाया गया जिसके तहत तमिल को दरकिनार करके सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया गया।

(b) विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता देने की नीति भी चली।

(c) नए संविधान में यह प्रावधान भी किया गया कि सरकार बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देगी।

(d) एक-एक करके आए इन सरकारी फैसलों ने श्रीलंकाई तमिलों की नाराजगी और शासन को लेकर उनमें बेगानेपन को बढ़ाया। उन्हें लगा कि बौद्ध धर्मावलंबी सिंहलियों के नेतृत्व वाली सारी राजनीतिक पार्टियाँ उनकी भाषा और संस्कृति को लेकर असंवेदनशील हैं। परिणाम यह हुआ कि तमिल और सिंहली समुदायों के संबंध बिगड़ते चले गए।

30.3

(a) लोकतंत्र में, यह स्थापित सिद्धान्त है कि सरकार बहुमत से चलती है। लेकिन बहुमत का अर्थ केवल धर्म या समुदाय की संख्या के आधार पर बहुमत नहीं है। अपने वास्तविक अर्थ में बहुमत का अर्थ बहुमत की राय है। कभी-कभी बहुसंख्यक समुदाय भी बहुमत की राय का हिस्सा हो सकते हैं। इसलिए बहुसंख्यक समुदाय द्वारा शासन लोकतंत्र में अमान्य नहीं है, अगर यह राय पर आधारित है।

(b) निस्संदेह सिंहली श्रीलंका के बहुसंख्यक समुदाय हैं और इनका सरकार में ज्यादा हिस्सा होना चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलना चाहिए। यदि ऐसा है, तो यह लोकतंत्र नहीं होगा।

31. भूमि निम्नीकरण से क्या तात्पर्य है? उद्योग किस प्रकार भूमि निम्नीकरण के कारण हैं? 5

उत्तर :

मानव कार्यकलापों द्वारा भूमि की उपजाऊ क्षमता का नष्ट होना भूमि निम्नीकरण कहलाता है।

उद्योग निम्नलिखित कार्यों से भूमि निम्नीकरण का कारण बनाते हैं-

1. **खनन**-खनन के कारण व्यापक रूप से भूमि का क्षरण होता है। खनन से बस्ती, सड़क, फैक्ट्री, वनस्पति समाप्त हो जाती है और परिणामस्वरूप भूमि क्षरण होता है।
2. **खनिज प्रसंस्करण**-चूना पत्थर तोड़ना, खान खोदना, पत्थर तोड़ने आदि से वायुमंडल में धूल उड़ती है जब इसकी परत भूमि पर जम जाती है तो मृदा की जल सोखने की प्रक्रिया अवरूद्ध हो जाती है।
3. **भूमि भराव**-उद्योग बहुत सा कचरा तथा खतरनाक अपशिष्ट खुले में फेंक देते हैं अथवा जमीन में दबा देते हैं जो नष्ट नहीं होता तथा इनसे भूमि का क्षरण होता है।
4. **तरल अपशिष्ट**-उद्योग नदियों में प्रयोग किया गया गंदा पानी डालते हैं। इससे जल तथा मृदा प्रदूषण होता है।
5. **वनोन्मूलन**-औद्योगिक उद्देश्यों से होने वाले वनोन्मूलन के कारण भी भूमि निम्नीकरण में वृद्धि हुई है।

32. भारतीय संविधान ने संघात्मक सरकार स्थापित की है। विचार-विमर्श कीजिए। 5

उत्तर :

भारतीय संविधान के संघीय लक्षण-

1. **संविधान की सर्वोच्चता**-संघीय शासन व्यवस्था में संविधान सर्वोच्च होता है। अमेरिका की तरह भारत का संविधान भी देश का सर्वोच्च कानून है।
2. **लिखित परंतु लचीला संविधान**-भारत का संविधान लिखित संविधान है। इसका निर्माण एक संविधान निर्मात्री सभा द्वारा किया गया था। महत्त्वपूर्ण विषयों में संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों का दो-तिहाई बहुमत तथा आधे या अधिक राज्यों की स्वीकृति आवश्यक है। लेकिन यह कार्यविधियाँ लचीली किस्म की हैं। (इसके लिए 1947 से 2006 तक अर्थात् 59 वर्ष में 93 संशोधनों का संदर्भ दिया जा सकता है।)
3. **शक्तियों का विभाजन**-प्रशासन की शक्तियों को केंद्र और राज्यों में इस प्रकार विभाजित किया गया है:

(a) **संघ सूची**-इसमें 97 विषय हैं जिन पर केन्द्र का अधिकार है।

(b) **राज्य सूची**-इसमें 66 विषय हैं जो स्थानीय महत्त्व के होते हैं। इन पर राज्यों का अधिकार होता है।

(c) **समवर्ती सूची**-इसमें 47 विषय रखे गए हैं। इस पर केंद्र और राज्य दोनों का समान अधिकार होता है। अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास रखी गई हैं।

(d) **द्विसदनीय विधानमंडल**-संघात्मक शासन में केंद्रीय विधानमंडल के दो सदन होते हैं। भारत में भी राज्यसभा तथा लोकसभा संसद के दो सदन बनाए गए है।

(e) **स्वतंत्र न्यायपालिका**-संघीय शासन में संविधान की व्याख्या, केन्द्र-राज्यों के विवादों को हल करने तथा अधिकारों की रक्षा के लिए स्वतंत्र न्यायपालिका होनी चाहिए। भारत में एक स्वतंत्र न्यायपालिका है। सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों की व्यवस्था इसी आधार पर की गई है।

33. प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों में क्या परिवर्तन हुए

हैं? 5

उत्तर :

1. **प्राथमिक क्षेत्रक में परिवर्तन**–प्राथमिक क्षेत्रक में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं–

(a) कृषि करने की विधियों में परिवर्तन हुआ है तथा कृषि क्षेत्रक ने उन्नति करनी आरम्भ कर दी है। इसने पहले से बहुत अधिक खाद्यान्न उत्पन्न करना शुरू कर दिया है।

(b) प्राथमिक क्षेत्रक में क्रय तथा विक्रय की क्रियाओं में भी बहुत वृद्धि हुई हैं।

(c) प्राथमिक क्षेत्रक में अब पहले से अधिक श्रमिक/कामगार कार्यरत हैं।

2. **द्वितीयक क्षेत्रक में परिवर्तन**–द्वितीयक क्षेत्रक में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं–

(a) आधुनिक समय में निर्माण की नई विधियों का प्रयोग किया जाने लगा हैं। नये–नये कारखानों की स्थापना की गई हैं और द्वितीयक क्षेत्र दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

(b) कृषि में काम करने वाले अधिकांश लोगों ने सस्ते दर पर कारखानों में काम करना शुरू कर दिया है। धीरे–धीरे कुल उत्पादन तथा रोजगार में द्वितीयक क्षेत्रक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रक बन गया हैं।

3. **तृतीयक क्षेत्रक में परिवर्तन**–तृतीयक क्षेत्रक में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं–

(a) पिछले 100 वर्षो में विकासशील देश द्वितीयक क्षेत्रक से तृतीयक क्षेत्रक की ओर अग्रसर हुए हैं।

(b) कुल उत्पादन के संदर्भ में सेवा क्षेत्र सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रक बन गया हैं।

(c) काम करने वाले व्यक्ति अब सेवाक्षेत्र में बढ़ गए हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति सभी विकासशील देशों में हैं।

अथवा

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम 2005 क्या हैं? ग्रामीण व्यक्तियों की सहायता के लिए इस अधिनियम में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर :

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम 2005– काम के अधिकार को लागू करने के केन्द्र सरकार ने 200 गाँवों के लिये यह कानून पास किया बाद में यह अधिनियम 600 जिलों में लागू किया गया।

नरेगा (अब मनरेगा हो गया है) 2005 के अंतर्गत ग्रामीण लोगों की सहायता के लिए निम्न कदम उठाए गए हैं–

1. यह अधिनियम सभी व्यक्तियों को जो न्यूनतम दर पर काम के इच्छुक हैं, उन्हें 100 दिनों की न्यूनतम अवधि के लिए काम देने का आश्वासन देता है।
2. कुल रोजगार का एक तिहाई भाग स्त्रियों के लिए आरक्षित किया गया हैं।
3. अनुरोध के 15 दिन के भीतर रोजगार प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। यदि इस सीमा अवधि के अंतर्गत रोजगार नहीं दिया जाता तो अनुरोध करने वाले को दैनिक बेरोजगारी भत्ता पाने का अधिकर हैं।

34. विकास मापने का यू.एन.डी.पी. का मापदंड किन पहलुओं में विश्व बैंक के मापदंड से अलग है? 5

उत्तर :

विकास को मापने का विश्व बैंक का मापदंड केवल **आय** पर आधारित है। इस मापदंड की अनेक सीमाएं हैं। आय के अतिरिक्त भी कई अन्य मापदंड हैं जो विकास मापने के लिए आवश्यक है, क्योंकि मानव मात्र पर्याप्त आय के बारे में नहीं सोचता, बल्कि वह अपनी सुरक्षा, दूसरों से आदर और बराबरी का व्यवहार पाना, स्वतंत्रता आदि जैसे अन्य लक्ष्यों के बारे में भी चिंतन करता है।

यू.एन.डी.पी. द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट में विकास के लिए निम्नलिखित मापदंड अपनाए गए–

1. **लोगों का स्वास्थ्य**–मानव विकास का प्रमुख मापदंड है स्वास्थ्य या दीर्घायु। विभिन्न देशों के लोगों की जीवन प्रत्याशा जितनी अधिक होगी, वह मानव विकास की दृष्टि से उतना ही अधिक विकसित देश माना जाएगा।
2. **शैक्षिक स्तर**–मानव विकास का दूसरा प्रमुख मापदंड शैक्षिक स्तर है। किसी देश में साक्षरता की दर जितनी ज्यादा होगी वह उतना ही विकसित माना जाएगा और यह दर यदि कम होगी तो उस देश को अल्पविकसित कहा जाएगा।
3. **प्रतिव्यक्ति आय**–मानव विकास का तीसरा मापदंड है प्रतिव्यक्ति आय। जिस देश में प्रतिव्यक्ति आय अधिक होगी उस देश में लोगों का जीवन स्तर भी अच्छा होगा और अच्छा जीवन स्तर विकास की पहचान है। जिन देशों में लोगों की प्रतिव्यक्ति आय कम होगी, लोगों का जीवन स्तर भी अच्छा नहीं होगा। ऐसे देश को विकसित देश नहीं माना जा सकता।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ गाँधी जी ने सूती वस्त्र मिल मज़दूरों के साथ सत्याग्रह किया।

(b) भारत के इसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) नामरूप – तापीय ऊर्जा संयंत्र
(ii) नरोरा – आण्विक ऊर्जा संयंत्र
(iii) मुम्बई – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र
(iv) दुर्गापुर – लोहा और इस्पात संयंत्र
(v) नोएडा – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क
(vi) कांडला – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर :

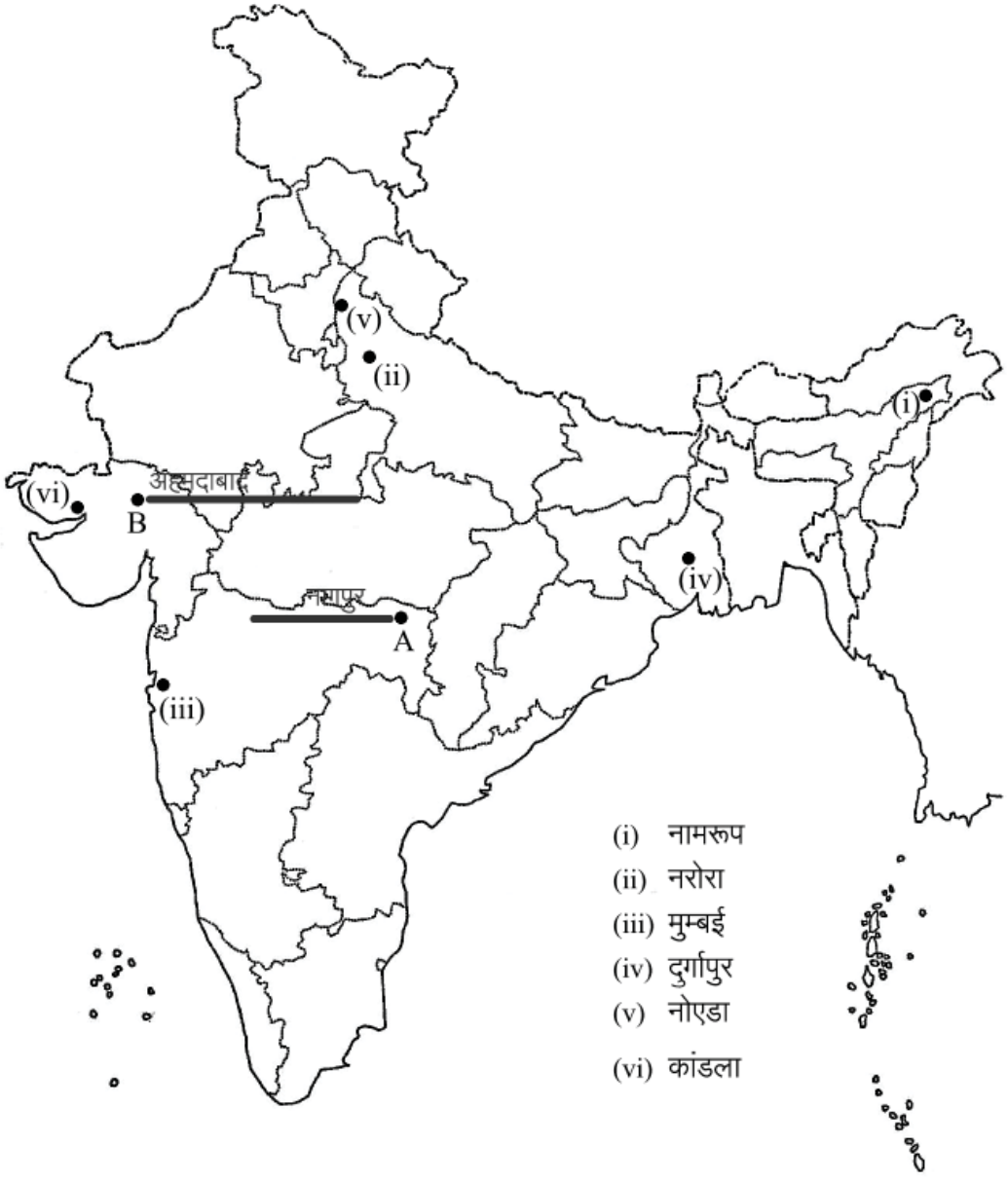

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved version of this paper from www.cbse.online